सही बातें
उत्साह

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

प्रकाशक

समर्पण समूह

जैनं वचनं सदा वंदे

आशीषानुकंपा

शताब्दी देशनाचार्य 108 श्री विशुद्धसागर जी मुनिराज

कृतिकार

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

संपादन / सहयोग

श्रुतप्रिय श्रमण अप्रमितसागर जी मुनिराज
सहजानंदी श्रमण सहजसागर जी मुनिराज

कृति का नाम

सही बातें

उत्साह

संस्करण

2023 : 1008 प्रतियाँ

प्राप्ति स्थान

भोपाल : 91790-50222

जबलपुर : 98276-07171

इन्दौर : 98260-10104

इन्दौर : 94253-16840

भीलवाड़ा : 63766-49881

आकल्पन एवं मुद्रण

डीसेन्ट ग्राफिक्स, इंदौर

मो. 98260-14047

शुभाशीष...

वस्तु स्वभाव में परिणामी एवं अपरिणामी है। द्रव्य-दृष्टि से अपरिणामी व पर्याय दृष्टि से परिणामी, पर जो इस सत्य को नहीं जानता वह दूसरे के लिए बोलता है - अमुक व्यक्ति बदल गया, जबकि वह स्वयं भी बदला है। एक-ही समय में परिणाम व अपरिणाम धर्म विद्यमान रहता है, इस **सही बात** को जो जानता है, वह सत्यज्ञाता पर में दोषों का अन्वेषण नहीं करता है, अपितु वस्तु के वस्तुत्व को सम्यक् जानकर मध्यस्थ हो जाता है।

इसी भावना से ओत-प्रोत **तत्त्वान्वेषी श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी ने "सही बातें"** नामक कृति का सृजन कर वागीश्वरी के कोष को वर्धमान किया है। वे इसी प्रकार सम्यक् श्रुताभ्यास पूर्वक साहित्य-सृजन कर के संस्कृति का संवर्धन करें, यही शुभाशीष है।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

शताब्दी देशनाचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी मुनिराज

मेरी बात-सही बात

अनेकों चिंतकों ने अपने अभिनव, अभिजात और आत्मोन्मुखी चिंतन से इस भारतीय तत्त्वमनीषा के वाङ्मय को सुसंवर्धित किया है। वही चिंतन समीचीन-चिंतन कहलाता है, जो सिद्धांत, तर्क और पूर्वाचार्यों की कथनी से मेल खाता है।

हर व्यक्ति की बातें सही नहीं होती और हर व्यक्ति की बातें गलत भी नहीं होती, कई बार समझने का नज़रिया भी गलत होता है। इस कृति के सृजन का हेतु ऐसे ही कुछ गलत नज़रियों को सही करना है।

विश्ववंद्य प्रभु वर्धमानस्वामी के अहिंसामय सत्यार्थ सिद्धांत जन सामान्य तक पहुँचाने के लिये शब्द और भाषा दोनों ही जनपद संबंधी होना अनिवार्य है। इसी कारण से यह सृजन गुरुप्रसाद, आगमाध्ययन, स्वानुभव और स्वयुक्ति के साथ-साथ सुगम शब्द और भाषा से मैंने अभिसिंचित किया है।

आशा है लघुकृत्य के रूप में प्रस्तुत मेरी कुछ **सही बातें** चिरकाल से प्रचलित गलत बातों को चिरकाल तक सही रखने में सहायक बनेगी।

ॐ नमः सिद्धेभ्यः

श्रुतसंवेगी श्रमण आदित्यसागर जी मुनिराज

सही बातें
उत्साह

वस्तु में प्रिय-अप्रियता नहीं होती,
प्रिय-अप्रियता तो होती है
हमारी सोच में,
सोच अच्छी है
तो सभी प्रिय लगते हैं ;
नहीं तो अप्रिय ही लगते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

क्रोध के पहले
उसके फल के बारे में विचार करें,
अगर
उसका फल अच्छा हो
तो अवश्य करें,
लेकिन
क्रोध करने का फल
कभी अच्छा नहीं होता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

महान लोग
कभी क्रोध नहीं करते,
अगर उन्हें
क्रोध आता भी है
तो वह तुरन्त ही
गायब हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

ज़माने के लोगों को समझाना
सरल है,
पर
क्रोध के समय खुद को समझाना
बहुत कठिन काम है ;
इसीलिये
ज़माने को समझाने की जगह
खुद को समझाने का
अभ्यास करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

क्रोध को
बाहर मत निकालिये
उसे पीना सीखिये,
क्योंकि
क्रोध बाहर निकालने से
आपकी छवि गिरती है
और
उसे पीने से
छवि निखरती है ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अच्छे कामों को करने में
कभी भी देर मत कीजिये,
परन्तु
क्रोध करने में
कभी भी जल्दी मत कीजिये,
ये ही एक ऐसा काम है
जिसे न करना ही श्रेष्ठ है
और
अगर क्रोध करना ही है
तो इतनी देर लगा दीजिये
कि वो ठंडा हो जाये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

क्षमा जैसी ताकत
किसी और शस्त्र में नहीं,
क्षमा के सामने
जब देव भी झुकते हैं ;
तो मनुष्य की क्या ताकत है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

पीड़ा देनेवाले से
बदला लेने का सबसे सुंदर उपाय
क्षमा है,
आपके माफ करने से
वह सर नहीं उठा पायेगा
और
आप
सर उठाये खड़े रहेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

स्वयं खुश रहना
और
दूसरों को भी खुश रखना,
ये दो काम
हर कोई नहीं कर सकता,
मगर
जो भी ये काम करता है
वह मर कर भी
अमर हो जाता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें

उत्साह

यदि आप अपनी छाप
दुनिया पर छोड़ना चाहते हैं,
तो ऐसा लिखें
जिसे लोग पढ़ें,
या फिर
ऐसा काम करें
जिसका लोग बखान करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अपनी तारीफ
न तो सुनें,
न ही स्वयं अपनी तारीफ करें,
तारीफ सुनने से
अहंकार बढ़ता है
और
स्वयं की तारीफ करने से
बहुमान घटता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जिसके पास धन न हो
वह गरीब नहीं है,
जिसके पास घर न हो
वह भी गरीब नहीं है ;
जिसके अंदर इच्छायें हों
वो ही सबसे बड़ा गरीब है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कभी भी किसी पर भी
हसना नहीं चाहिये,
क्या पता ?
समय कब करवट ले ले,
जिन पर आप
हसते थे
वो ही आप पर हसने लगें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

गलती हो जाना
कोई बड़ी गलत नहीं,
पर
गलती को न स्वीकारना
बहुत गलत बात है ;
ध्यान रखिये-
गलती को स्वीकारने में
शर्म नहीं
खुशी होना चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अपनी गलती को नहीं सुधारना
और
नई-नई गलतियाँ
पुनः पुनः करना,
गलत लोगों की ही पहचान है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आपसे
कोई काम बिगड़ जाये
तो रोना मत
दुःखी भी मत होना,
क्योंकि
काम आपसे ही बिगड़ा है,
उस बिगड़े काम को
एक दिन आप ही सुधारेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

गलती हो जाना
मूर्खता नहीं है,
गलती को न स्वीकारना
मूर्खता है,
अगर आप
मूर्खता छोड़ना चाहते हैं,
तो गलतियाँ स्वीकारना प्रारम्भ करें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जितना हम
दूसरों के गुणों से सीखते हैं,
उसरो अधिक हम
दूसरों की गलतियों से सीख सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जिसने
जितना दुःख सहा हो,
वो उतना ही
बड़ा आदमी बनता है ;
इसीलिये
दुःखों को बुरा मत मानिये
वो भी अच्छे हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

इस दुनिया में
हाथ मिलाने वाले तो हज़ारों है,
मगर
कंधे पर हाथ रखने वाला
कोई नहीं है ;
इसीलिये
बचके रहना मित्रो !
ज़माना बड़ा खराब है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

ज़िंदगी के खेल
बड़े निराले होते हैं,
कुछ लोग भोगते कम हैं
पर भुगतते ज़्यादा हैं
और
कुछ लोग भुगतते कम हैं
पर भोगते ज़्यादा हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

उपहार महत्त्वपूर्ण नहीं होता
महत्त्वपूर्ण होता है प्यार,
इसीलिये
बिना प्यार के दिया गया उपहार
सचमुच है बेकार ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

एक अच्छा दिल
हज़ारों दिमागों से बेहतर होता है,
दिमाग भले ही कुछ भी सोचे ;
पर
दिल हमेशा
अच्छा ही सोचता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

ज़ख्म कुरेदने में
जो आनंद आता है,
वही आनंद
अतीत को याद करने में आता है ;
मगर
थोड़े समय बाद
तकलीफ दोनों में होती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आप सफल होते-होते
असफल हो जाते हैं,
तो घबराइये मत
और
प्रयत्न भी मत छोड़िये,
महान कार्य
धीरे-धीरे ही सफल होते हैं
इसमें कोई संदेह नहीं है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

लोग कुछ कार्य
स्वार्थ भावना से करते हैं,
तो कुछ कार्य
निःस्वार्थ भावना से ;
सफल दोनों ही हो सकते हैं
परन्तु
निःस्वार्थ भावना से किया गया कार्य ही
अमर होता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

मनुष्य और गिरगिट
दोनों ही रंग बदलते हैं,
फर्क सिर्फ इतना है
गिरगिट स्वभाव से रंग बदलता है
और
मनुष्य मौके पर ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जिन्हें
अपनों के
खोने का डर हो,
वो ही लोग
गलति न होने पर भी
गलति स्वीकरते हैं
और
माफी भी माँगते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जीत के लिये
आपको सिर्फ अंक नहीं
अपितु
दूसरों से अच्छे अंक चाहिये,
इसीलिये
सापेक्षता को अपनाइये
निरपेक्षता को नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

सफलतम व्यक्ति बनने के लिये
अपने प्रतिद्वन्दी की ताकत
और
अपने प्रतिस्पर्धी की तैयारी का भी
ध्यान रखें,
कहीं ऐसा न हो जाये
आप उन्हें
हलके में आंकते रह जायें
और
वे आगे निकल जायें...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

प्रसिद्धि के लिये
संघर्ष जरूरी है,
जीवन में संघर्ष बढ़ते ही
सफलता तो बढ़ती ही है
योग्यता भी बढ़ती जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जिस दिन आपके अंदर
ऊर्जा
उत्साह
और
कुछ कर दिखाने की शक्ति हो,
उसी दिन कार्य को प्रारम्भ कर दें,
निश्चित मानिये...
आप ऊँचाइयों को जरूर प्राप्त करेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

ऊँचा उठने के लिये
किसी को हराइये मत,
बल्कि
जीतने का भरसक प्रयास कीजिये,
हराने की भावना
आपको जीतने पर भी
हरा ही देती है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

संघर्ष बहुत महत्त्वपूर्ण है,
आप जितना संघर्ष करेंगे
आपकी शक्ति उतनी ही बढ़ेगी
और
उतने अधिक समय तक
आपको कोई हरा नहीं पायेगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आप आज से ही
अपना नज़रिया सुधारिये,
जैसा आपका नज़रिया होगा
चीज़ें आपको वैसी ही दिखेंगी।
कुछ लोग
अंडे में भोजन देखते हैं
कुछ लोग
मुर्गी के बच्चे को...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आप
बार–बार असफल होते हैं
तो निराश मत होइये,
पुरुषार्थ भी मत छोड़िये ;
क्योंकि
पत्थर
आखिरी चोट से ही टूटता है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

दुनिया में
सबसे ताकतवर कोई है
तो वो है आपकी मुस्कुराहट;
मुस्कुराहट
अगर आपके पास है
तो आप कभी
हार नहीं सकते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कुछ लोग अपने जीवन में
हरदम सहारा ढूँढ़ते हैं,
ऐसे लोग
ज़्यादा समय तक
ऊँचाइयों पर नहीं रहते ;
क्योंकि
सहारे
हमेशा आपके साथ नहीं रहते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कुछ लोग
सरल काम करते हैं
और
कुछ लोग
सही काम करते हैं,
सरल काम
सही हो सकता है ;
पर
सही काम
सरल नहीं होता...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जीतकर मुस्कुराने वाले
बहुत हैं,
पर
कुछ विरले ही हैं
जो हार कर भी मुस्कुराते हैं ;
ध्यान रहे–
जो हारकर भी मुस्कुराते हैं
वो हारकर भी जीतते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कुदरत ने आपको
जो भी दिया है
आपके कारण ही दिया है,
इसीलिये
जो मिला है
उसमें खुश रहिये;
अगर आप खुश रहेंगे
तो कुछ और जरूर मिलेगा ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आपको
दो ही लोगों के चेहरे
याद रहते हैं,
एक वो
जिसने आपका जीवन बदला हो
और
दूसरा वो
जिससे आपको बदला लेना हो ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आप सोचते हैं कि
आपके बिना घर नहीं चलेगा
तो आपकी सोच गलत है,
क्योंकि
ऐसा कहने वाले कई लोग
मरघट में जल चुके हैं ;
और
उनके घर आज भी चल रहे हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जो लोग
दूसरों का ख्याल रखते हैं
दुनिया भी
उन्हीं का ख्याल रखती है,
जो मटका
दुनिया को ठंडा पानी पिलाता है ;
लोग भी उसी में पानी भरते हैं
चिकने घड़े में नहीं...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जरूरी नहीं
आप जो सोच रहे हों
वो आपको मिल जाये
और
जो मिल रहा है
वो आप सोच पायें ;
इसीलिये
जो होना है सो होना है
फिर काहे को रोना है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

छोटी उम्र में
बड़े सपने देखना बड़ी बात है
और
छोटी उम्र में ही
उन सपनों को पूरा करना
और भी बड़ी बात है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आपके अपने
आपको कितना चाहते हैं
और
आप अपनों को
कितना चाहते हैं,
यह महत्त्वपूर्ण नहीं है ;
महत्त्वपूर्ण यह है कि-
आप उन्हें
कब तक और कब कब चाहते हैं ...

✍श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

शब्दों का प्रयोग
बड़ा सोच-समझकर करें,
शब्दों के कारण ही
महाभारत हुई थी
और
जब भी महाभारत होगी
शब्दों के कारण होगी...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

किसी की आवाज़ को
दबाइये मत
आप अपने तर्कों को बढ़ाइये,
आपकी जीत
अपनी आवाज बढ़ाने से
या
दूसरों की आवाज़ दबाने से नहीं होगी,
तर्कों को बढ़ाने से होगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जीवन की दिशा बदलने के लिये
भावों की दशा बदलिये,
अगर
भावों की दशा अच्छी है
तो समझ लीजिये ;
जीवन भी अच्छा ही होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

यादद़ाश्त बढ़ाने के लिये
क्रोध को घटाइये
एकाग्रता को बढ़ाइये
और
जितना हो सके
उतना संपर्कों से दूर हो जाइये...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

बेहतर इंसान बनने के लिये
अपने दिल और दिमाग को
बेहतर बनाइये,
आपका दिल और दिमाग ही
आपका संचालन करते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जो गुण आप में हैं
उन्हें बचाकर रखिये
और
जो गुण आप में नहीं हैं
उन्हें उत्पन्न कीजिये,
महान बनने का
यह सबसे सुन्दर उपाय है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कुछ लोग अभाव में परेशान हैं
कुछ लोग सद्भाव में,
अगर
अभाव में सद्भाव
और
सद्भाव में अभाव देख लें;
तो कोई कभी भी परेशान नहीं होगा...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कुछ लोग
इसीलिये परेशान हैं कि -
पैसा क्यों नहीं है?
और
कुछ लोग इसीलिये कि
इतना पैसा क्यों है?
वास्तविकता में
पैसा परेशानी नहीं है,
आकांक्षा ही परेशानी है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आईने में देखकर
चेहरा तो अच्छा किया जा सकता है,
मगर
मन को अच्छा करने के लिये
आईना नहीं
अच्छे परिणाम चाहिये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

दर्पण को पोंछने से
तन साफ दिखता है
और
मन को पोंछने से
जीवन साफ दिखता है,
अब आपके ऊपर है
आपको क्या पोंछना है ?
तन या मन ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आप
अपना कल
अच्छा बनाने के लिये
किसी को छल रहे हैं,
तो यह सच्चा हल नहीं है ;
इसीलिये
बल बढ़ाइये,
छल हटाइये,
और
अपना कल अच्छा पाइये...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कमज़ोर को
बलवान के आगे झुकना ही पड़ता है,
यह मेरे अनुभव के साथ-साथ
प्रकृति का भी स्वभाव है ;
ध्यान रहे -
अज़गर हिरण को खा पाता है
शेर को नहीं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अच्छा होना
और
अच्छा दिखने में बहुत अंतर है,
अच्छा दिखना ज़्यादा जरूरी नहीं है
पर
अच्छा होना बहुत जरूरी है ;
हमारा हित
अच्छा दिखने से नहीं
अच्छा होने से होगा ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जो दिखने में
हंस जैसे सफेद हों,
परन्तु
फितरत
बगुले जैसी हो,
ऐसे लोगों से दूर ही रहें,
क्योंकि
जो लोग दिखने में भक्त जैसे हों;
पर
कपट से भरे हों
तो वे भक्त नहीं भक्षक ही हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

किसी भी व्यक्ति की
योग्यता देखकर ही
उसे काम देना चाहिये,
अयोग्य व्यक्ति को
योग्य काम देने पर
समय और वस्तु
दोनों बरबाद हो जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

उत्तम मनुष्य वही है
जो स्वयं को ऊँचा उठाये,
मगर
जो दूसरों को भी ऊँचा उठाये
वह उत्तमोत्तम है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जब तक आपके गुरु
आपको देख रहे हैं
तभी तक आप का जीवन है,
जिस दिन
गुरु देखना बंद कर दें ;
समझ लो
अब जीवन समाप्ति की ओर है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

हर सास अपनी बहू में
आदर्श बहू देखना चाहती है,
मगर
वह भूल जाती है
आदर्श बहू
आदर्श सास को ही मिल पाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अपना अधिकांश समय
स्वयं को
ठीक महसूस करने में लगायें,
न कि
दूसरों को ठीक महसूस कराने में ;
क्योंकि
अपने जीवन को बेहतर बनाना
हमारा पहला कर्तव्य है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

दोस्ती में शर्त नहीं होती
और
शर्तों में दोस्ती नहीं होती,
दोस्ती तो वो रिश्ता है
जिसमें सिर्फ कद्र हुआ करती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

कई बार आप
जान–बूझकर ही
परेशानियों को आमंत्रण देते हैं,
इसीलिये
जो भी करें
सोच–विचार कर करें ;
कहीं ऐसा न हो कि
आप सोच ही न पायें
और
जीवन खाई में गिर जाये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

खुश रहने के लिये
उन-उन चीज़ों के बारे में विचार करें,
जिनसे आपको खुशी मिलती है
या फिर
वो ही काम करें
जो दूसरों के साथ-साथ
आपको भी पसंद हो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जो बातें
हम दूसरों को बताते हैं,
वो बातें हमें
खुद में भी उतारना चाहिये,
क्योंकि
स्वयं का सुधार ही
हमारा प्रथम लक्ष्य है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जब आपकी
सहनशक्ति जवाब दे दे,
तब आप
आँख बंद करके
गुरु को याद करें ;
आपकी शक्ति दुगनी नहीं
दस गुनी हो जायेगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अपने विचारों को
और अपनी भावनाओं को
प्रकट करने का
सबसे सुन्दर साधन है
शब्द ;
शब्द में
वो शक्ति है
जो आपकी अनकही बातों को
अनकहे भावों को
मूर्तरूप देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

ज़िंदगी कभी आपका
अच्छा–बुरा नहीं करती,
जो कुछ भी आपने
पहले जमा किया था ;
वह तो क्रम से
सब लौटाती जाती है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

भाग्य बदलने के लिये
भावनाओं को बदलिये
जिस दिन आपकी भावनायें
पवित्र हो जायेंगी ;
उसी दिन से
भाग्य भी पवित्र हो जायेगा ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

बुरे अतीत को
याद करने का मतलब है
आज को भी बुरा बनाना,
इसीलिये
बुरे अतीत को भूल जाइये
और
अच्छे काम की तैयारी में लग जाइये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अकसर
ये देखा जाता है कि
क्रोध करके व्यक्ति
दूसरों से जीतना चाहता है,
मगर
क्रोध अंगारे की तरह है
जब भी आप उसे फेकेंगे
सबसे पहले आप स्वयं जलेंगे...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

दूसरों को दोष देने से
उनकी आलोचना करने से,
या फिर
उनकी गलतियाँ ढूँढ़ने से,
आप दूसरों का
कितना बुरा कर पायेंगे,
ये तो मैं नहीं जानता;
परन्तु
आप अपना बुरा अवश्य कर लेंगे...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जैसा व्यवहार
आप दूसरों के साथ करेंगे,
आपके साथ भी
वैसा ही व्यवहार होता है ;
क्योंकि
कारीगर उसी धातु के आभूषण देता है
जो आप उसे देते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आप किसी का
भला करें या न करें
कम-से-कम
किसी का बुरा तो न सोचें,
किसी का बुरा या भला
आपके सोच से नहीं
उसकी करतूती से होता है ;
आपके बुरा सोचने से
तो आपका ही बुरा होगा...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अगर आपकी
किसी भी गलती से
किसी भी बात से
आपकी माँ
या फिर
आपके गुरु की आँखों में
आँसू आ जाते हैं,
तो आप दुनिया के
सबसे बेकार इंसान हैं ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

आपके अच्छे काम
कोई भी याद नहीं रखता
और
आपकी गलतियाँ
कोई भी नहीं भूलता,
यह जीवन का
एक ऐसा सच है
जिसे स्वीकारना बहुत कठिन है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

एक नन्हें से बालक की
सारी तकलीफें
सारी उलझनें
माँ की गोद में आते ही
मिट जाती हैं,
हमारे जीवन की
सारी तकलीफें
सारी उलझनें
गुरु की गोद में आते ही
मिट जाती हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अकसर
लोग मुझ से पूछते हैं
आप दिनभर
क्या लिखते रहते हैं?
मैंने कहा
मैं पहले व्यापारी था
तब व्यापार का हिसाब रखता था
अब मैं
विचारों का व्यापारी हूँ
इसलिये
विचारों का
हिसाब लिखता रहता हूँ ...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

हम इस झूठे वादों की
दुनिया में जीते हैं
हम जानते हैं
लोग झूठे वादे करते हैं
फिर भी मोहवश
हम उन झूठे वादों को
झूठा नहीं मानते हैं...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

विचारशील लोग लिखते हैं
विचारशील लोगों पर
लिखा जाता है,
मगर
जो विचारशील नहीं हैं
उनका जीवन
न लिखा जाता है
न ही पढ़ा जाता है...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

छोटे लोग
पैसों की बातें करते हैं,
बड़े लोग
वक्त की बातें करते हैं,
महान लोग
बातें नहीं करते
वो बातें लिखा करते हैं...

✍ श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

व्यवहार और प्रेम से
जो काम होता है,
वो पैसों से
नहीं हो सकता है;
इसलिये
हर बात पर
पैसा मत दिखाइये ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

शंका से
शंका बढ़ती है,
विश्वास से
विश्वास बढ़ता है;
ये आपकी इच्छा है
आपको किस ओर बढ़ना है...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

अपनी विभूतियों को देखें
न कि दूसरों की,
विभूतियों को देखने से
संक्लेशता ही जन्म लेगी
और
प्राप्त विभूतियाँ भी
नाश को प्राप्त हो जायेंगी...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

त्याग उसका करो
जो अहितकर हो,
ग्रहण उसका करो
जो हितकर हो,
लेकिन
ग्रहण का तो त्याग करो,
पर
त्याग का ग्रहण
कभी मत करो;
इस बात को
हमेशा ग्रहण करो...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर

सही बातें
उत्साह

जब शिष्य ने
गुरु से दूर रहकर
गुरु के बिन
जीने का प्रयास किया,
तब शिष्य ने पाया
जिस दिन
मछली बिन पानी के
पंछी बिन पंख के
आदमी बिन श्वास के
जी लेगा
उस दिन
शिष्य भी बिन गुरु के
जी लेगा ...

श्रुतसंवेगी आदित्यसागर